International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन विकास की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ

डॉ. प्रभा अग्रवाल
प्राध्यापक, (वाणिज्य) महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर (म. प्र.)
श्रीमती नीलम यादव
शोधार्थी, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर (म. प्र.)

सारांश :

पर्यटन किसी भी देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण अंग होता है। भारत जैसे विशाल एवं विविधतापूर्ण देश में पर्यटन न केवल संस्कृति के प्रचार–प्रसार का माध्यम है, बल्कि यह रोजगार, आय और अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों का साधन भी है। मध्यप्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र, अपनी ऐतिहासिक धरोहर, धार्मिक स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक परंपराओं के कारण पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। "बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन विकास की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ" विषयक इस शोध में यह निष्कर्ष निकला कि बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन की दृष्टि से ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्धि है, जो इसे एक महत्वपूर्ण पर्यटन गंतव्य बनाता है।

प्राथमिक आंकड़ों के आधार पर यह पाया गया कि अधिकांश पर्यटक बुंदेलखंड की धरोहर स्थलों की सुंदरता और पर्यटन की संभावनाओं को स्वीकार करते हैं, किन्तु साथ ही वे स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं की कमी, और अतिक्रमण जैसी समस्याओं से असंतुष्ट भी हैं।

अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि यदि सरकार, स्थानीय निकाय और निजी क्षेत्र मिलकर क्षेत्र की पर्यटन क्षमता के संरक्षण और विकास पर ध्यान दें, तो यह क्षेत्र न केवल रोजगार के अवसर प्रदान कर सकता है, बल्कि स्थानीय सामाजिक–आर्थिक विकास में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

स्वॉट विश्लेषण के माध्यम से यह निष्कर्ष है कि पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए जहां अनेक अवसर उपलब्ध हैं, वहीं चुनौतियाँ भी गंभीर हैं, जिन्हें नीतिगत सुधारों, सतत योजनाओं और जन–भागीदारी द्वारा संबोधित किया जा सकता है।

शब्द कुंजी : बुंदेलखंड, पर्यटन विकास, स्वॉट विश्लेषण, पर्यटक, रोजगार, आधारभूत सुविधा, सांस्कृतिक धरोहर, स्वच्छता, सरकारी नीति, संभावनाएँ, चुनौतियाँ।

1. प्रस्तावना

मनुष्य स्वभावतः जिज्ञासु है। यही जिज्ञासा उसे न केवल ज्ञान की खोज में प्रेरित करती है, बल्कि नई–नई जगहों को देखने, समझने और अनुभव करने के लिए भी प्रेरित करती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में पर्यटन केवल मनोरंजन या अवकाश का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और आर्थिक संवाद का भी सशक्त साधन

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

है। भारत का हर क्षेत्र, हर प्रांत अपने भीतर असंख्य पर्यटन संभावनाएँ समेटे हुए है, जिनमें मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बुंदेलखंड क्षेत्र एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध भू–भाग है, जो मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ भागों में फैला हुआ है। मध्यप्रदेश में बुंदेलखंड क्षेत्र में सागर, टीकमगढ़, दमोह, छतरपुर, पन्ना, दतिया, निवाड़ी और झाँसी (पूर्व में) जैसे जिले शामिल हैं। यह क्षेत्र वीरता, कला, स्थापत्य और प्राकृतिक सौंदर्य के अद्वितीय संगम के लिए जाना जाता है।

चित्र क.1.1
बुंदेलखंड क्षेत्र

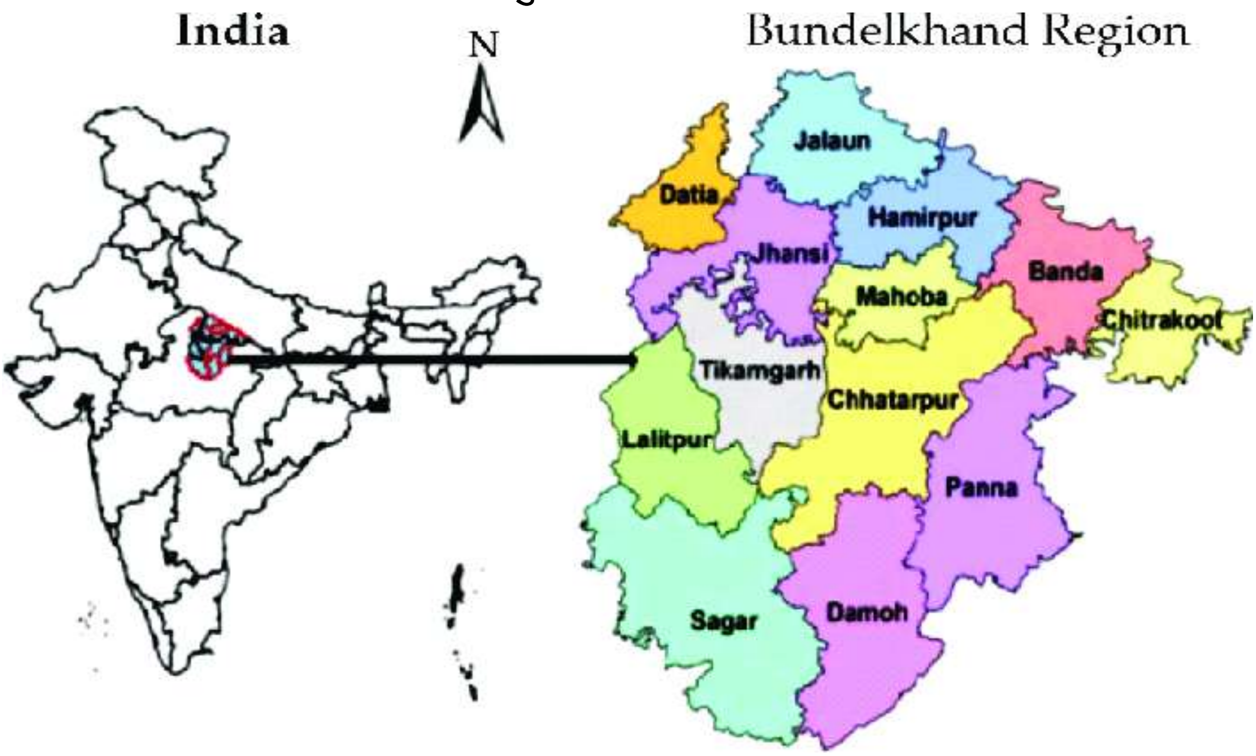

बुंदेलखंड क्षेत्र लगभग 73040 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है, और उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों के कुछ हिस्सों में फैला हुआ है।

बुंदेलखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों में–

- खजुराहो (छतरपुर) – विश्व धरोहर स्थल, प्रसिद्ध शिल्पकला और नागर शैली के मंदिरों के लिए विश्वप्रसिद्ध।
- पन्ना राष्ट्रीय उद्यान – वन्यजीव प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र, साथ ही पन्ना हीरों के लिए भी प्रसिद्ध है।
- ओरछा (निवाड़ी) – ऐतिहासिक किले, भव्य महल और मंदिरों के लिए जाना जाता है।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

- दतिया महल, सनकुआ और पीतांबरा पीठ जैसे धार्मिक और स्थापत्य स्थल।
- रजवाड़ों के किले और बावड़ियाँ – जैसे कि अजयगढ़, कालिंजर, गढ़कुंडार, चंदेरी और नरसिंहगढ़ आदि।
- केन और बेतवा जैसी पवित्र नदियाँ – इन नदियों के किनारे प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक शांति का अनुभव मिलता है।

बुंदेलखंड में पर्यटकों को न केवल स्थापत्य की भव्यता देखने को मिलती है, बल्कि लोककला, लोकसंगीत, लोकनृत्य, शिल्पकला और ग्रामीण संस्कृति की झलक भी प्राप्त होती है। यहाँ के पर्व–त्योहार, मेलों, और पारंपरिक जीवनशैली में अपार पर्यटन क्षमता निहित है। किन्तु इस क्षेत्र की अपार संभावनाओं के बावजूद, पर्यटन का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। अधोसंरचनात्मक सुविधाओं की कमी, प्रचार–प्रसार का अभाव, निजी निवेश की न्यूनता और प्रशासनिक असंवेदनशीलता जैसी कई समस्याएँ पर्यटन विकास में बाधक बनती हैं।

स्वॉट विश्लेषण

शक्तियाँ :

- ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर जैसे खजुराहो, ओरछा, दतिया आदि।
- अद्वितीय वास्तुकला और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज स्थल।
- धार्मिक पर्यटन की प्रचुर संभावनाएँ।
- पारंपरिक लोकसंस्कृति और जनजातीय जीवन शैली।

कमज़ोरियाँ :

- परिवहन, संचार और सड़क नेटवर्क की कमी।
- साफ–सफाई, जल, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की अनुपलब्धता।
- टूर गाइड, जानकारी केंद्र व डिजिटल प्रचार की कमी।
- स्थानीय व्यापारियों की पर्यटन–केंद्रित प्रशिक्षण की कमी।

अवसर :

- ग्रामीण, आस्था और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देना।
- सरकारी योजनाओं और च्च्च मॉडल से निवेश की संभावनाएँ।
- डिजिटल प्रचार और सोशल मीडिया मार्केटिंग का प्रयोग।
- साहसिक पर्यटन, इको टूरिज्म, फेस्टिवल टूरिज्म का विकास।

खतरेः

- मानसूनी निर्भरता और जलवायु चुनौतियाँ।
- राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी व प्रशासनिक उपेक्षा।
- अत्यधिक व्यावसायीकरण से पर्यावरणीय क्षति का डर।

- आसपास के अन्य राज्य पर्यटक आकर्षण में प्रतिस्पर्धा।

ऐसे में बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन उद्योग की शक्तियों, कमजोरियों, अवसरों और खतरों (SWOT) का गहन विश्लेषण अत्यंत आवश्यक है, जिससे नीति निर्धारकों, योजनाकारों और स्थानीय हितधारकों को एक दिशा मिल सके। प्रस्तुत शोध इसी उद्देश्य को लेकर बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन की वर्तमान स्थिति, विकास की संभावनाएँ एवं व्यावहारिक चुनौतियों का वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रस्तुत करता है, जो भविष्य में इस क्षेत्र को स्थायी और समावेशी पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की संभावनाओं को बल देगा।

2. अध्ययन की आवश्यकता

बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन को लेकर सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं, परंतु आधारभूत संरचना, प्रचार, और सुविधाओं की कमी के कारण यहाँ अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। ऐसे में आवश्यक है कि एक स्वॉट (ताकत, कमजोरियां, अवसर, खतरे) विश्लेषण किया जाए ताकि इसकी वर्तमान स्थिति और भावी संभावनाओं का मूल्यांकन किया जा सके।

3. उद्देश्य

1. बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन–सम्बंधी शक्तियों, कमजोरियों, अवसरों और खतरों की पहचान करना।
2. 178 पर्यटकों की प्रतिक्रियाओं के आधार पर उनके अनुभवों और अपेक्षाओं का विश्लेषण करना।
3. सुझाव प्रस्तुत करना।

4. शोध पद्धति

यह शोध प्राथमिक समंक पर आधारित है, जो बुंदेलखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों (खजुराहो, ओरछा, दतिया, देवगढ़ आदि) पर 178 पर्यटकों से एक पूर्वनिर्धारित प्रश्नावली द्वारा एकत्र किया गया। इसमें 5–बिंदु लिकर्ट स्केल और वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का प्रयोग किया गया।

5. समंक विश्लेषण एवं परिणाम

तालिका 1
जनसांख्यिकी चर

चर	वर्ग	आवृत्ति	प्रतिशत (%)
लिंग	पुरुष	102	57.3%
	महिला	76	42.7%
	कुल	178	100%
आयु वर्ग	18–30 वर्ष	58	32.6%
	31–45 वर्ष	64	36.0%

	46–60 वर्ष	39	21.9%
	60+ वर्ष	17	9.5%
	कुल	178	100%
शिक्षा स्तर	स्नातक या कम	52	29.2%
	स्नातकोत्तर	86	48.3%
	तकनीकी/प्रोफेशनल शिक्षा	40	22.5%
	कुल	178	100%
व्यवसाय	निजी क्षेत्र/सेवायोजन	72	40.4%
	स्व-रोजगार/व्यवसायी	43	24.2%
	छात्र	30	16.9%
	सेवानिवृत्त	17	9.6%
	गृहिणी	16	9.0%
	कुल	178	100%
आवासीय क्षेत्र	शहरी	126	70.8%
	ग्रामीण	52	29.2%
	कुल	178	100%

स्त्रोत–प्राथमिक समंक

178 उत्तरदाताओं पर आधारित जनसांख्यिकी विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि सर्वेक्षण में पुरुषों की संख्या (57.3%) महिलाओं की तुलना में अधिक रही। आयु वर्ग में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व 31–45 वर्ष (36%) के पर्यटकों का रहा, जो कार्यशील और भ्रमणशील वर्ग के अंतर्गत आता है। शिक्षा के संदर्भ में 48.3% उत्तरदाता स्नातकोत्तर थे, जो दर्शाता है कि बुंदेलखंड क्षेत्र में उच्च शिक्षित पर्यटक आकर्षित हो रहे हैं। व्यवसाय की दृष्टि से अधिकांश उत्तरदाता निजी क्षेत्र में कार्यरत थे (40.4%) जबकि स्व–रोजगार और छात्र वर्ग का योगदान भी उल्लेखनीय रहा। निवास स्थान के अनुसार शहरी क्षेत्रों से आने वाले पर्यटकों का प्रतिशत 70.8% था, जिससे स्पष्ट है कि शहरी जनसंख्या बुंदेलखंड के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों की ओर अधिक आकर्षित है।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

तालिका 2
ऐतिहासिक स्थलों की सुंदरता से संतुष्टि

प्रतिक्रिया स्तर	**आवृत्ति**	**प्रतिशत (%)**
बिल्कुल असंतुष्ट	4	2.2%
कुछ हद तक असंतुष्ट	9	5.1%
न तो संतुष्ट, न असंतुष्ट	21	11.8%
संतुष्ट	84	47.2%
अत्यधिक संतुष्ट	60	33.7%
कुल	**178**	**100%**

स्त्रोत–प्राथमिक समंक

178 पर्यटकों पर आधारित सर्वेक्षण के अनुसार, 81% उत्तरदाता (संयुक्त रूप से 'संतुष्ट' और 'अत्यधिक संतुष्ट') बुंदेलखंड क्षेत्र के ऐतिहासिक स्थलों की सुंदरता से प्रभावित पाए गए। इनमें से 47.2% ने 'संतुष्ट' और 33.7% ने 'अत्यधिक संतुष्ट' का विकल्प चुना। इसके विपरीत, केवल 7.3% उत्तरदाताओं ने असंतोष (बिल्कुल असंतुष्ट या कुछ हद तक असंतुष्ट) व्यक्त किया, जबकि 11.8% उत्तरदाता तटस्थ रहे। जिससे स्पष्ट है कि बुंदेलखंड के ऐतिहासिक स्थलों की सौंदर्यता और स्थापत्य विशेषताएँ पर्यटकों के बीच सकारात्मक प्रभाव छोड़ रही हैं। इससे क्षेत्र की सांस्कृतिक और पर्यटन संभावनाओं की पुष्टि होती है।

तालिका 3
पर्यटन स्थल पर सुविधाओं की कमी का अनुभव

प्रतिक्रिया स्तर	**आवृत्ति**	**प्रतिशत (%)**
बिल्कुल असंतुष्ट	10	5.6%
कुछ हद तक असंतुष्ट	15	8.4%
न तो संतुष्ट, न असंतुष्ट	30	16.9%
संतुष्ट	77	43.3%
अत्यधिक संतुष्ट	46	25.8%
कुल	**178**	**100%**

स्त्रोत–प्राथमिक समंक

178 पर्यटकों पर आधारित सर्वेक्षण में, 69.1% उत्तरदाताओं (सहमत और पूरी तरह सहमत) ने यह अनुभव किया कि बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं की कमी है। इनमें से 43.3% उत्तरदाता 'सहमत' तथा 25.8% 'पूरी तरह सहमत' रहे। वहीं केवल 14%

उत्तरदाताओं ने इस कथन से असहमति जताई और 16.9% ने तटस्थ प्रतिक्रिया दी। जिससे स्पष्ट है कि क्षेत्र में पर्यटकों के लिए स्वच्छता, पेयजल, सूचना पट्ट, परिवहन, शौचालय आदि की सुविधाएँ अभी भी अपर्याप्त हैं, जिससे पर्यटन अनुभव प्रभावित होता है। इस प्रतिक्रिया के आधार पर यह आवश्यक प्रतीत होता है कि सुविधाओं के उन्नयन पर प्राथमिकता से कार्य किया जाए।

तालिका 3
बुंदेलखंड क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर पर्यटन को आकर्षित करती है

प्रतिक्रिया स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत (%)
बिल्कुल असहमत	6	3.4%
कुछ हद तक असहमत	8	4.5%
न तो सहमत, न असहमत	18	10.1%
सहमत	92	51.7%
पूरी तरह सहमत	54	30.3%
कुल	**178**	**100%**

स्त्रोत–प्राथमिक समंक

प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि अधिकांश उत्तरदाता बुंदेलखंड क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहरों को पर्यटन के प्रमुख आकर्षण के रूप में मानते हैं। कुल 178 उत्तरदाताओं में से 92 (51.7%) 'सहमत' और 54 (30.3%) 'पूरी तरह सहमत' हैं, अर्थात् कुल 82% लोगों ने सकारात्मक सहमति व्यक्त की है। केवल 14 (7.9%) उत्तरदाताओं ने असहमति जताई है जबकि 18 (10.1%) ने तटस्थ प्रतिक्रिया दी। जिससे स्पष्ट है कि बुंदेलखंड की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और विरासती स्थलों की महत्ता पर्यटकों के अनुभव में प्रमुख भूमिका निभा रही है। क्षेत्र की यह विशेषता इसकी एक सशक्त पर्यटन–सम्बंधी शक्ति (Strength) के रूप में सामने आती है, जिसे भविष्य में और भी बेहतर ढंग से संरक्षित व प्रचारित किया जा सकता है।

तालिका 4
बुंदेलखंड में रोजगार सृजन और स्थानीय विकास के लिए पर्यटन में व्यापक संभावनाएँ है

प्रतिक्रिया स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत (%)
बिल्कुल असहमत	4	2.2%
कुछ हद तक असहमत	6	3.4%
न तो सहमत, न असहमत	20	11.2%

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

सहमत	94	52.8%
पूरी तरह सहमत	54	30.3%
कुल	**178**	**100%**

स्त्रोत–प्राथमिक समंक

प्रस्तुत आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि बुंदेलखंड क्षेत्र में रोजगार सृजन और स्थानीय विकास के लिए पर्यटन को एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। 94 उत्तरदाता (52.8%) 'सहमत' और 54 उत्तरदाता (30.3%) 'पूरी तरह सहमत' हैं, जिससे ज्ञात होता है कि कुल मिलाकर 83.1% उत्तरदाता इस कथन का समर्थन करते हैं। इसके विपरीत, केवल 4 (2.2%) 'बिल्कुल असहमत' और 6 (3.4%) 'कुछ हद तक असहमत' रहे, जबकि 20 उत्तरदाता (11.2%) ने तटस्थ प्रतिक्रिया दी। इस उत्तरदाता प्रवृत्ति से यह निष्कर्ष निकलता है कि पर्यटन को क्षेत्रीय आर्थिक उत्थान का एक प्रभावी माध्यम माना जा रहा है। विशेष रूप से, यह स्थानीय स्तर पर होटल व्यवसाय, हस्तशिल्प, परिवहन, गाइड सेवा, और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर प्रदान कर सकता है। यह तथ्य इस ओर भी संकेत करता है कि यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर योजनाबद्ध तरीके से निवेश करें और पर्यटन को स्थानीय विकास से जोड़ें, तो बुंदेलखंड क्षेत्र आर्थिक दृष्टि से अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बन सकता है।

तालिका 5

पर्यटन स्थलों पर अतिक्रमण और अव्यवस्थित निर्माण पर्यटन के लिए खतरा है

प्रतिक्रिया स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत (%)
बिल्कुल असहमत	8	4.5%
कुछ हद तक असहमत	12	6.7%
न तो सहमत, न असहमत	30	16.9%
सहमत	84	47.2%
पूरी तरह सहमत	44	24.7%
कुल	**178**	**100%**

स्त्रोत–प्राथमिक समंक

प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि उत्तरदाताओं का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि पर्यटन स्थलों पर अतिक्रमण और अव्यवस्थित निर्माण, पर्यटन के लिए एक गंभीर खतरा है। 84 उत्तरदाता (47.2%) 'सहमत' और 44 उत्तरदाता (24.7%) 'पूरी तरह सहमत' हैं, जिससे कुल मिलाकर 71.9% उत्तरदाता इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार करते हैं। इसके विपरीत, 8 (4.5%) 'बिल्कुल असहमत' और 12 (6.7%) 'कुछ हद तक

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

असहमत' हैं, जबकि 30 उत्तरदाता (16.9%) ने तटस्थ प्रतिक्रिया दी। जिससे स्पष्ट है कि बुंदेलखंड क्षेत्र के ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों पर हो रहे अनियोजित निर्माण कार्य, स्थानीय सौंदर्यबोध और सांस्कृतिक विरासत को प्रभावित कर रहे हैं, जिससे पर्यटकों के अनुभव पर प्रतिकूल असर पड़ता है। साइट प्लानिंग, संरचनात्मक नियंत्रण और कड़े शहरी नियोजन नियमों की अनुपस्थिति, पर्यटन विकास में एक महत्वपूर्ण बाधा बनकर उभर रही है। यदि इस दिशा में समय रहते ठोस नीति नहीं अपनाई गई, तो यह दीर्घकालीन पर्यटन क्षमता को क्षति पहुँचा सकता है। अतः स्थानीय प्रशासन और नगर नियोजन एजेंसियों को संरक्षण और सौंदर्यीकरण पर बल देना चाहिए।

6. सुझाव

- पर्यटन स्थलों के आसपास आधारभूत संरचना में सुधार।
- स्थानीय युवाओं को टूर गाइड और आतिथ्य प्रशिक्षण देना।
- डिजिटल इंडिया मिशन के अंतर्गत पर्यटक सूचना पोर्टल बनाना।
- विशेष पर्यटन सर्किट विकसित कर उन्हें प्रचारित करना।
- फेस्टिवल आधारित टूरिज्म को बढ़ावा देना।

7. उपसंहार

मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन उद्योग अपार संभावनाओं से परिपूर्ण है, जहाँ इतिहास, संस्कृति, स्थापत्य, प्रकृति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। खजुराहो, ओरछा, पन्ना, चंदेरी, अजयगढ़, कालिंजर जैसे पर्यटन स्थलों की वैश्विक और राष्ट्रीय पहचान इस क्षेत्र को एक विशिष्ट स्थान प्रदान करती है। प्रस्तुत शोध में स्वॉट विश्लेषण के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि जहाँ एक ओर क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक संपदा इसकी प्रमुख शक्तियाँ हैं, वहीं आधारभूत संरचनाओं की कमी, परिवहन व संचार सुविधाओं का अभाव, तथा प्रचार–प्रसार की न्यूनता इसकी प्रमुख कमजोरियाँ हैं। साथ ही, रोजगार सृजन, इको–टूरिज्म, और सांस्कृतिक पर्यटन जैसे अनेक अवसर मौजूद हैं, जिनका रणनीतिक दोहन इस क्षेत्र की सामाजिक–आर्थिक प्रगति को तीव्र कर सकता है। किंतु अतिक्रमण, अव्यवस्थित निर्माण, पर्यावरणीय क्षरण एवं निवेश की अनिच्छा जैसी चुनौतियाँ भी विचारणीय हैं। अतः आवश्यक है कि सरकार, स्थानीय प्रशासन, निजी क्षेत्र और समुदाय मिलकर एक समन्वित नीति के तहत पर्यटन विकास की योजना बनाएं, जिससे बुंदेलखंड न केवल एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर सके, बल्कि क्षेत्रीय विकास और सांस्कृतिक संरक्षण का आदर्श भी प्रस्तुत करे।

8. संदर्भ

पुस्तकें (Books):

1. Government of India. (2023). *India Tourism Statistics at a Glance 2023*. Ministry of Tourism, Government of India.
2. Sharma, P. (2022). *Tourism Development in Madhya Pradesh: Challenges and Opportunities*. Bhopal: MP Publishing House.
3. Mishra, R. & Agrawal, S. (2020). *Tourism Geography of India*. New Delhi: Arya Publishing.
4. Ministry of Tourism. (2022). *Annual Report 2021–22*. New Delhi: Government of India.
5. Chattopadhyay, R. (2019). *Cultural Heritage and Tourism in India*. Jaipur: Rawat Publications.

शोध पत्र (Research Articles):

6. Gupta, S., & Sharma, S. K. (2018). A SWOT analysis of tourism marketing in Uttarakhand. *International Journal of Research in Economics and Social Sciences*, 8(10), 121–134.
7. Agrawal, V. (2016). A review of Indian tourism industry with SWOT analysis. *Journal of Tourism & Hospitality*, 5(1). https://doi.org/10.4172/2167-0269.1000196
8. Kalgi, D. M., Naikwadi, S. S., & Venkatraman, D. P. (2017). A study on the role of hospitality industry in the promotion of tourism in Pune. *International Journal of Hospitality and Tourism Systems*, 10(2), 55–63.

सरकारी रिपोर्ट्स और वेबसाइट्स (Reports and Online Sources):

9. Madhya Pradesh Tourism Board. (2023). *Tourism Policy of Madhya Pradesh*. Retrieved from https://www.mptourism.com
10. NITI Aayog. (2021). *Strategy for New India @ 75*. Retrieved from https://www.niti.gov.in

थीसिस और शोध प्रबंध (Thesis and Dissertations):

11. Sharma, P. (2022). *Madhya Pradesh ke Paryatan Udyog ki Samasyaayein evam Bhavi Sambhavnayen ka Mulyankan* (Master's dissertation, Vikram University, Ujjain).
12. Mahendra Kumar, A. (2017). *Tourism industry in Tamil Nadu: A study with special reference to Tirunelveli district* (Doctoral dissertation, Madurai Kamaraj University).